Title : Regarding decline in animal husbandry industry in rural areas of the country.

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालंदा): सभापति महोदय, मेरे राज्य बिहार में 90 प्रतिशत या इससे अधिक जनता कृषि से सीधे या परोक्ष रूप से जुड़ी हुई है। बिहार राज्य के पूर्ण सकल घरेलू उत्पाद का 35 प्रतिशत कृषि से आता है। इससे समझा जा सकता है कि बिहार राज्य में कितने लोग कृषि पर आधारित हैं। कृषि का एक सह-धंधा पशुपालन भी है। बिहार ही क्या पूरे देश में जानवरों की संख्या बहुत कम है। जहां अभी तक पशुपालन से धंधा होता था, वह गाय, भैंस, बकरी से दूध उत्पादन, बैल से हल जोतने की क्रिया, मुर्गी पालन, सुअर पालन और मछली पालन से मीट और अंडे द्वारा होता था। इससे किसानों को खेत के अतिरिक्त आमदनी होती थी। इससे ग्रामीणों में बेरोज़गारी कम होती थी। इनके होने से ग्रामीणों की आर्थिक संपन्नता बढ़ेगी, महानगरों में ग्रामीणों का पलायन रुकेगा। इससे महानगर पर बोझ बहुत घटेगा। इस ओर सरकार द्वारा विशेष ध्यान और प्रोत्साहन दिये जाने की ज़रूरत है। इसके लिए केन्द्र सरकार विशेष केन्द्रीय सहायता बिहार सरकार को इस मद में प्रदान करे, यह मैं मांग करता हूँ।